प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 21 जून, 2025 :-

(1) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर राज भवन में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में आज 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर राज भवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राज भवन परिवार के सदस्यों एवं आमंत्रित स्कूली बच्चों ने सक्रियता से भाग लिया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित करने की कला है और इसके अभ्यास से हम स्वस्थ शरीर, शांत चित्त एवं ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा

‘अंतरराष्ट्रीय योग दिवस’ के रूप में मान्यता मिलना भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि योग बच्चों और युवाओं के लिए केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि एकाग्रता, आत्मबल और अनुशासन का भी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन योग करें और समाज में योग के प्रचार-प्रसार हेतु अन्य लोगों को भी प्रेरित करें।

(2) माननीय राज्यपाल महोदय ने ICAI राँची शाखा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स राष्ट्र की वित्तीय रीढ़ - राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) राँची शाखा द्वारा सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल, करमटोली, राँची में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि हर्ष का विषय है कि ICAI देश की एक प्रतिष्ठित संस्था है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को पारदर्शी, अनुशासित और उत्तरदायी बनाने में अनुकरणीय योगदान दिया है। यह संस्था केवल कर सलाहकार नहीं, बल्कि ऐसे वित्तीय प्रहरी तैयार करती है जो राष्ट्र की आर्थिक नींव को सुदृढ़ बनाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को वित्तीय पारदर्शिता, आर्थिक अनुशासन और सुशासन के स्तंभ बताते हुए कहा कि राँची शाखा की सक्रियता ने झारखंड में कर-जागरूकता, वित्तीय विवेक और नैतिक व्यवसायिकता को सुदृढ़ करने की दिशा प्रयासरत है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दिशा में ICAI और

उससे जुड़े पेशेवरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक है।

राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों और मानवशक्ति से समृद्ध राज्य है, परंतु संसाधनों का सुशासन, पारदर्शी प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन आवश्यक है। उन्होंने ICAI जैसी संस्थाओं से राज्य सरकार एवं उद्योगों के साथ भागीदारी के नए रास्ते तलाशने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन व्यवसाय और शासन के बीच संवाद का मंच बनते हैं, जिससे नीतियाँ ज़मीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुँचती हैं। उन्होंने युवाओं चार्टर्ड अकाउंटेंटस से कहा कि आप केवल आर्थिक सलाहकार नहीं हैं, आप राष्ट्र की वित्तीय रीढ़ हैं। आपके व्यवहार में ईमानदारी, समयपालन और सामाजिक जिम्मेदारी की झलक अवश्य होनी चाहिए। यही मूल्य इस पेशे को सम्मान और भरोसे का पर्याय बनाते हैं।

राज्यपाल महोदय ने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।